Dr. Premlata
Department of History

P.G SEM II

मध्ययुगीन काल में कृषक संबंध

मध्ययुगीन काल मे भारत में कृषक संबंधों का एक जटिल और विविध रूप था। इस काल में कृषक समाज का एक महत्वपूर्ण हिस्सा थे, और उनकी स्थिति और अधिकार विभिन्न क्षेत्रों और समय में भिन्न थे।

कृषक वर्ग :→ मध्ययुगीन काल मे कृषक वर्ग को मुख्य रूप से दो श्रेणियों में बाँटा जा सकता है :—

1- खुदकाश्तकार — ये कृषक अपनी जमीन पर खुद खेती करते थे और सरकार को लगान देते थे।

2:- किसान ये कृषक दूसरों की जमीन पर खेती करते थे और लगान देते थे।

कृषक संबंध

मध्ययुगीन काल मे कृषक संबंधों को निम्नलिखित बिंदुओं से समझा जा सकता है :—

लगान :— कृषक सरकार को लगान देते थे, जो उनकी फसल का एक हिस्सा होता था।

जमींदारी :→ जमींदार कृषकों से लगान वसूल करते थे और सरकार को देते थे।

कृषक अधिकार :→ कृषकों को अपनी जमीन पर अधिकार था, लेकिन वे उसे बेच या हस्तांतरित नहीं कर सकते थे।

Premlata
History